LOYOLA SCHOOL, BHUBANESWAR

Half Yearly Evaluation , September - 2025

Class –X	**Subject: 2nd Lang (Hindi)**	**F.M. = 80**	**Times:3 Hrs.**

(Section -A)

1. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त प्रस्ताव लिखिए :–** [15]

क) आजकल देश में आवासीय विद्यालयों (Residential Schools) की बाढ़ सी आ गई है। आवासीय विद्यालयों की छात्रों के जीवन में क्या उपयोगिता

हो सकती है ?इस प्रकार के विद्यालयों की अच्छाइयों एवं बुराइयों के बारे में बताते हुए वर्तमान में इनकी आवश्यकता पर अपने विचार लिखिए।

ख) लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहे जाने वाले मीडिया की समाज हेतु उपयोगिता दर्शाते हुए, इसके महत्त्व को समझाइए।

ग) आपके जीवन का उद्देश्य क्या है? आज से दस वर्ष बाद की कल्पना कीजिए ।बताइए आप स्वयं को कहाँ , किस रूप में देखना चाहते हैं?

घ) अरे मित्र! तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो। इस पंक्ति से आरंभ करते हुए कोई कहानी लिखिए।

ङ) दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर कोई लेख अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए।

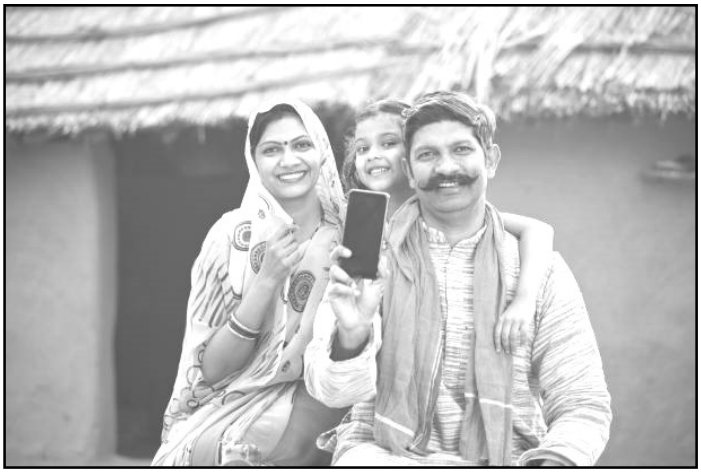

2. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।** [7]

आपने नया कंप्यूटर खरीदा है, किंतु खरीदने के एक महीने बाद ही उसमें खराबी आ गई । आपकी शिकायत पर दुकानदार ने कोई ध्यान नहीं दिया। कंपनी के मुख्य मैनेजर को पत्र लिखकर घटना की जानकारी देते हुए उनसे अनुरोध कीजिए कि वे आपके साथ न्याय करें।

अथवा

अपने मित्र को पत्र लिखकर साक्षरता अभियान के अंतर्गत स्वयं के द्वारा किए गए कार्यों का विवरण दीजिए।

3. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखें। उत्तर यथासंभव अपने शब्दों में होने चाहिए।**

जब मैं अपनी सभ्यता का अवलोकन करता हूँ, तब लोगों को काम के संबंध में उनकी विचारधारा के अनुसार विभाजित करने लगता हूँ। एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता सिर्फ़ धन हासिल करना है। वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे सचमुच में जीना शुरू करते हैं और अपने-आप में होते हैं। जब वे काम में लगे होते हैं, तब उनका मन भटकता रहता है। काम को वे अपना उत्तमांश देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि आमदनी के लिए ही उन्हें सिर्फ़ काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं ताकि अपने काम में अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। जिस काम में वे संलग्न होते हैं, उसकी पूजा करते हैं।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते हैं, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं। उसमें बहुत-से संपन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं। धनवान, जो अपनी आमदनी पर निष्प्रयोजन जीता है, वह आदमी जो बिना श्रम किए धन पाने की आशा में जुआ खेलता है, वह नारी जो केवल घर-गृहस्थी का आरामदेह जीवन पाने के लिए विवाह करती है- ये सभी धन को ऐसा कुछ समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है। इसके सिवाय कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, अन्यथा वे उन कारखानों के मजदूरों की तरह ही हैं, जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं। उनके लिए काम एक घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि यह काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रतिनिधित्व करता है। यदि काम को वे टाल सकें और फिर भी धन प्राप्त हो जाए, तो खुशी से यही करेंगे।

जो लोग काम में अनुरक्त हैं तथा उसके प्रति समर्पित हैं, ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं। वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं। इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं। अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करनेवाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं।

क. काम करने को लेकर किस–किस प्रकार के लोग दिखाई देते हैं? [2]

ख. जिन लोगों के लिए काम की उपयोगिता धन प्राप्त करना है,वे क्या अनुभव करते हैं? [2]

ग. किन लोगों के लिए धन उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है? [2]

घ. काम के प्रति समर्पित लोगों के वर्ग में कौन–कौन लोग आते हैं? [2]

ङ इस गद्यांश से मिलने वाली शिक्षा पर प्रकाश डालिए। [2]

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए-**

i. **"निश्चेष्ट"** शब्द का विलोम शब्द है– [1]

क)प्रवेष्ट ख) निरचेष्ट ग) सचेष्ट घ) सर्वश्रेष्ठ

ii. **"वधू"** शब्द का बहुवचन शब्द है– [1]

क) वधूएँ ख) वधुओं ग) वधुएँ घ) वधुऐ

iii. चमक**" शब्द का विशेषण शब्द है**– [1]

क)चमकीला ख) चमकदार ग) चटकीला घ) चमकिला

iv. **"उपरोक्त" का शुद्ध रूप है**– [1]

क) उपर्युक्त ख) ऊपरयुक्त ग) उपरियुक्त घ) उपयुक्त

v. **वह सप्रमाण सहित अपनी बात बताएगा - वाक्य में प्रमाण शब्द का प्रयोग कीजिए।** [1]

क) वह प्रमाण सहित अपनी बात बताएगा। ख) वह प्रमाण समेत अपनी बात बताएगा।

ग) वह प्रमाण द्वारा अपनी बात बताएगा। घ)वह प्रमाण रहित अपनी बात बताएगा।

vi. **"जबान पर लगाम न होना" -मुहावरे का सही अर्थ है**– [1]

क)स्पष्टवादी होना ख) अनावश्यक रूप से स्पष्टवादी होना ग) सदैव कठोर वचन कहना

घ) सर्वत्र अपनी प्रशंसा करना

vii. **"वारिद" का पर्यायवाची शब्द है** [1]

क)कमल–सरोज ख) चंद्रमा–विधु

ग) बिजली–चपला घ) बादल–पयोद

viii. **उसे मृत्युदंड की सजा मिली।- शुद्ध वाक्य है** [1]

क) उसे मृत्युदंड मिला।

ख) उसे मृत्युदंड मिली।

ग) उसे मृत्युदंड की सजा हुई।

घ) उसे मृत्युदंड का सजा मिला।

(Section -B)

निम्नलिखित अवरतरणों को पढ़कर किन्हीं चार अवतरणों के नीचे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें

साहित्य सागर – (संक्षिप्त कहानियाँ)

5. बेनी माधव सिंह ने पुचकारा बेटा बुद्धिमान लोग मूर्खों की बात पर ध्यान नहीं देते।

बड़े घर की बेटी : मुंशी प्रेमचंद

i. बेनीमाधव किसे 'बुद्धिमान' तथा किसे 'मूर्ख' कह रहे हैं और क्यों? [2]

ii. इस कथन का श्रोता कौन है? कथन का संदर्भ स्पष्ट कीजिए। [2]

iii. सम्मिलित कुटुंब का क्या अर्थ है? सम्मिलित कुटुंब एक उत्तम ,कल्याणकारी एवं स्वस्थ परंपरा वाले समाज की स्थापना करता है, इस पर अपने विचार लिखिए। [3]

iv. वर्तमान में एकल परिवार का चलन बढ़ गया है,इसके क्या कारण हैं? इस कहानी का संदेश लिखिए। [3]

6. बूढ़े सियार ने भेड़िए का रूप बदला।मस्तक परतिलक लगाया,गले में कंठी पहनाई और मुँह में घास के तिनके खोंस दिए।

भेड़ें और भेड़िए : हरिशंकर परसाईं

i. बूढ़ा सियार कौन था?भेड़िए का रूप बदलने की स्थिति क्यों उत्पन्न हो गई थी? [2]

ii. इससे पूर्व सियार ने अन्य किन तीन प्राणियों का रूप परिवर्तित किया था और उन्हें किसका रूप प्रदान किया तथा क्यों? [2]

iii. प्रस्तुत कहानी किस प्रकार की कहानी है? इस कहानी का उद्देश्य क्या है?क्या लेखक अपने उद्देश्य की पूर्त्ति में सफल रहे,किस प्रकार ? स्पष्ट कीजिए। [3]

iv. किस प्रकार की शासन प्रणाली प्रजा के लिए कल्याणकारी साबित हो सकती है?इस पर अपने विचार लिखते हुए कहानी का संदेश लिखिए। [3]

7. बार-बार सोचते क्या होगा उस कौम का,जो अपने देश के खातिर घर गृहस्थी जिंदगी होम कर देने वालों पर हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती है। दुखी हो गए।

नेताजी का चश्मा : स्वयं प्रकाश

i. दुखी होने वाला व्यक्ति कौन है?उसके दुखी होने का क्या कारणहै? [2]

ii. 'होम कर देने वालों' वाक्यांश से क्या तात्पर्य है?क्या वास्तव में इन व्यक्तियों का उपहास किया जाता है? [2]

iii. 'अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती हैं।' इस वाक्य में किन व्यक्तियों की ओर संकेत किया गया है?इस वाक्यांश का अर्थ लिखते हुए बताइए कि वर्तमान समय में आप इससे कहाँ तक सहमत हैं? [3]

iv. वक्ता का चरित्र–चित्रण कीजिए और कहानी के शीर्षक की सार्थकता लिखिए। [3]

एकांकी संचय

8. किंतु मैं तो श्रृंखला को तोड़ने जा रहा हूँ।दो जातियों में जानी दुश्मनी पैदा करने जा रहा हूँ।

मातृभूमि का मान : हरिकृष्ण प्रेमी

i. प्रस्तुत अवतरण में वक्ता एवं श्रोता कौन हैं तथा श्रोता अपने गीत के माध्यम से क्या संदेश दे रहे थे? [2]

ii. 'मैं तो श्रृंखला को तोड़ने जा रहा हूँ' कथन में 'मैं ' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है तथा वह श्रृंखला को तोड़ने की बात क्यों कर रहा है? [2]

iii. प्रस्तुत अवतरण में किन दो जातियों की बात की गई है?वक्ता उनमें दुश्मनी क्यों पैदा करना चाहता है? एकांकी का संदेश लिखिए। [3]

iv. प्रस्तुत एकांकी किस प्रकार की एकांकी है? कहानी के आधार पर शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। [3]

9. जाओ कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी को विदा कराना चाहती है तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजे।

बहू की विदा :विनोद रस्तोगी

i. उपर्युक्त कथन किसने किससे कहा ?संदर्भ सहित उत्तर लिखिए। [2]

ii. मरहम का क्या अर्थ है ?यहाँ मरहम से क्या तात्पर्यहै ?स्पष्ट कीजिए। [2]

iii. वक्ता के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। कहानी के अंत में वक्ता ने क्या निर्णय लिया और क्यों ? [3]

iv. प्रस्तुत एकांकी में किस समस्या को उठाया गया है ? इसका समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है ? इस एकांकी से हमें क्या–क्या संदेश मिलते हैं ? [3]

10. न बेटा, मैं अपने जीते जी यह सब न होने दूँगा.तुम चिंता न करो।मैं सबको समझा दूँगा।

सूखी डाली : उपेंद्रनाथ अश्क

i. वट वृक्ष को देखकर वक्ता के मन में कौन सी कल्पनाएँ जाग जाती हैं ? [2]

ii. वक्ता का मन क्यों सिहर उठता है ?वे किस चिंता में डूबे हैं ? [2]

iii. वक्ता कैसे विचारों के व्यक्ति हैं ?उनकी क्या अभिलाषा है ? [3]

iv. अपनी छोटी बहू के विषय में वक्ता के क्या विचार हैं ? एकांकी का उद्देश्य एवं संदेश लिखिए। [3]

*****************ALL THE BEST*****************